रेल संपर्क से जुड़ा कश्मीर

जम्मू-कश्मीर तथा देश के बाकी हिस्से के बीच हर मौसम में संपर्क बने रहने की दिशा में अहम कदम

देश की सबसे लंबी पीर पंजाल सुरंग पर 1,700 करोड़ की लागत

1,700 करोड़ रूपए की लागत से तैयार पीर पंजाल सुरंग के उद्घाटन के साथ ही कश्मीर की खूबसूरत वादी तक पहुंचना और अधिक सुगम हो गया है। यह सुरंग देश के अन्य हिस्से और इस क्षेत्र के बीच एक और वैकल्पिक मार्ग मुहैया कराती है। इस संपर्क की बदौलत जम्मू के बनिहाल से कश्मीर के काजीगुंड के बीच की 35 किलोमीटर की दूरी घटकर आधी रह गई है।

अब तक इस संपर्क के लिए 294 कि.मी. लंबे श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग का केवल एक ही विकल्प उपलब्ध था जो कि सर्दियों के दिनों में बनिहाल राजमार्ग क्षेत्र में भारी बर्फबारी की वजह से कई दिनों तक बंद रहता था। अब लोग घाटी से बनिहाल तक के लिए रेल का सफर कर सकेंगे जहां से वे ऊधमपुर के लिए बस पकड़ सकते हैं उधमपुर देश के अन्य हिस्सों से रेल सेवा के माध्यम से जुडा हुआ है। कश्मीर में काजीगुंड और बारामुला के बीच 118 किमी. की दूरी के बीच रेल सेवा पहले से ही उपलब्ध है।

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा पीर पंजाल सुरंग का उद्घाटन किया गया। एशिया के दूसरे सबसे बड़े और भारत के सबसे लंबे इस 11 कि.मी. बनिहाल-काजीगुंड मार्ग पर निर्मित इस महत्वकांक्षी पर्वतीय रेलवे सुरंग को बेमिसाल आभियांत्रिकी के नमूने के रूप में वर्णित किया जा रहा है। रखरखाव तथा किसी प्रकार की आपदा के समय राहत और बचाव कार्यों के लिए सुरंग के भीतर तीन मीटर चौड़ी सड़क भी तैयार की गई है।

इस रेलमार्ग के दो प्रमुख रेलवे स्टेशन होंगे-जम्मू प्रभाग में बनिहाल और कश्मीर क्षेत्र में काजीगुंड। इन स्टेशनों के अलावा स्थानीय लोगों की सहूलियत के लिए अनंतनाग जिले के हिल्लार गांव में एक हॉल्ट स्टेशन भी तैयार किया गया है। उत्तरी कश्मीर के काजीगुंड और बारामुला के बीच 118 कि.मी. लंबे मार्ग में रेल सेवा पहले से ही संचालित की जा रही है।

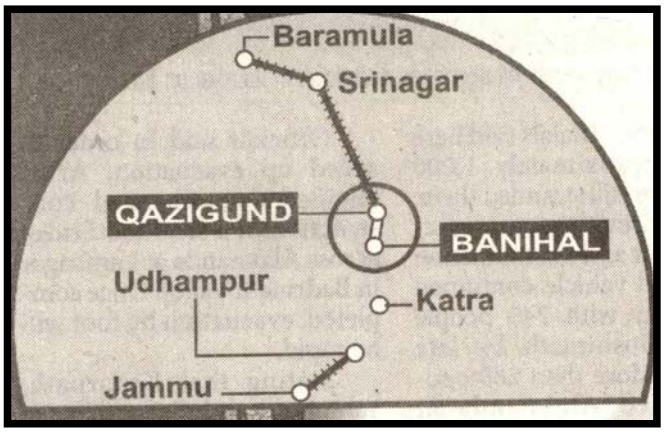

काजीगुंड-बनिहाल भाग में 39 पुलों का निर्माण किया गया है जिसमें से दो प्रमुख पुल हैं। रेलवे मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उपक्रम तथा उत्तरी रेलवे के लिए इस कार्य को अंजाम देने वाली प्रमुख क्रियान्वयन एजेंसी इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के निदेशक (निर्माण) श्री हितेश खन्ना के अनुसार "इस कार्य के लिए भारत में पहली बार नवीन ऑस्ट्रेलियाई सुरंग पद्धति (एनएटीएम) का इस्तेमाल किया गया है।"

रेल मार्ग के इस भाग से जम्मू-क्षेत्र और घाटी के बीच हर मौसम में संपर्क मौजूद रहेगा तथा यात्रा में लगने वाले समय में भी काफी कमी आएगी। बनिहाल और काजीगुंड के बीच 18 कि.मी. लंबी रेल लाईन इन दो स्थानों के बीच की 35 कि.मी. की सड़क की दूरी से लगभग आधी है। इस रेल लाइन की वजह से पर्यटन को बढ़ावा मिलने से घाटी में सामाजिक-आर्थिक बदलाव की संभावना है इसके अलावा हर मौसम में संपर्क की सुविधा और यात्रा की दूरी में 17 कि.मी. तक की कमी से लोगों को आवाजाही में आसानी होगी।